



ई-पाठशाला

E-Pathshala

Practical Meaning of Jainism

Chapter-1



नवांगी पूजा की ९ दिव्य प्रार्थनाएँ

1. दोनो चरण अंगूठे-

हे परमात्मा ! विनय गुण की प्राप्ति होजो ।

- यह पूजा सभी जीवों के प्रति सम्मान बनाए रखने हेतु है ।

2. दोनो घूटने पर-

हे परमात्मा ! साधना शक्ति अखंड मिलजो ।

- यह पूजा आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त करने हेतु है ।

3. दोनो कलाई पर-

हे परमात्मा ! दान शक्ति अविरत बहेजो ।

- यह पूजा निरंतर सत्कार्य के लिए दान भावना जगाने हेतु है ।

4. दोनो कंधे पर-

हे परमात्मा ! अहंकार मेरा नष्ट होजो ।

- यह पूजा अहंकार के नाश के लिए है ।

5. मस्तक-शिखा पर-

हे परमात्मा ! सिद्धशीला की ऊंचाई प्राप्त होजो ।

- यह पूजा आध्यात्मिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए है ।

6. ललाट पर-

हे परमात्मा ! भाग्य मेरा अखंड होजो ।

- यह पूजा निरंतर सौभाग्य प्राप्त के लिए है ।

7. कंठ पर-

हे परमात्मा ! शुभ वाणी-शुभ वचन प्राप्त होजो ।

- यह पूजा भाषा की मिठास प्राप्त करने के लिए है ।

8. हृदय पर-

हे परमात्मा ! राग-द्वेष मेरा नष्ट होजो ।

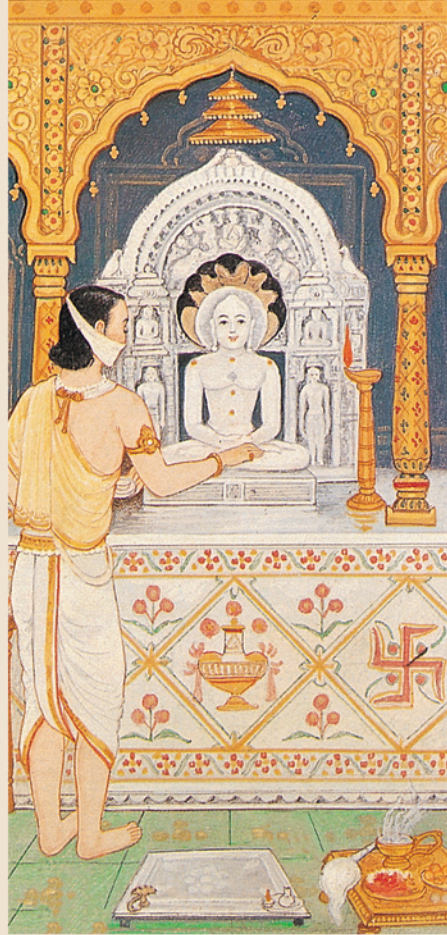
- यह पूजा घृणा या शत्रु भाव मिटाने के लिए है ।

9. नाभी पर-

हे परमात्मा ! ज्ञानवैभव-गुणवैभव-संस्कारवैभव प्राप्त होजो ।

- यह पूजा ज्ञान और संस्कार प्राप्त करने के लिए है ।

Note : जिन को नवांगी पूजा के दोहे नहीं आते हो उनको यह ९ दिव्य प्रार्थना बोलते हुए प्रभु की पूजा करनी चाहिए ।



9 Divine Prayers of Navangi Pooja

1. (On the Toes of the Feet)

Oh God! Grant Me the Quality of Humility & Being Respectful

- This Pooja is for Developing Respect Towards All Beings

2. (On Both Knees)

Oh God! Give me the Unbroken Power of Concentration & Meditation

- This Pooja is for Acquiring Strength to Lead a Spiritual Life

3. (On Both Wrists)

Oh God! May The Intentions of Charity & Benevolence Always Flow

- This Pooja is for Continued Charity towards Good Deeds

4. (On Both Shoulders)

Oh God! May My Ego Dissolve,

- This Pooja is for Destruction of Personal Ego

5. (On The Centre of the Head)

Oh God! May I Reach the Highest of Summit.

- This Pooja is for Achieving Success in Spiritual life

6. (On the Forehead)

Oh God! May My Fortune Always Shine & Remain Integrated

- This Pooja is for Continued Good Luck

7. (On the Base of the Neck)

Oh God! Bless Me with Noble Speech & Noble Expressions.

- This Pooja is for Sweet Language

8. (On the Heart)

Oh God! May I be Able to get Rid of my Lust & Hatred

- This Pooja is for Refraining from too much Craving as well as Hatred or Enmity.

9. (On the Navel)

Oh God! May I be able to achieve the Glorious Qualities & Noble Character & Inherit them into My Nature

- This Pooja is for Acquiring Knowledge and Virtue

Special Note : Those who do not know the 9 Sanskrit couplets of worship, they should worship GOD while saying these 9 divine prayers.

Courtesy by :



SGR TEXTILE HOUSE LLP Vapi-Mumbai